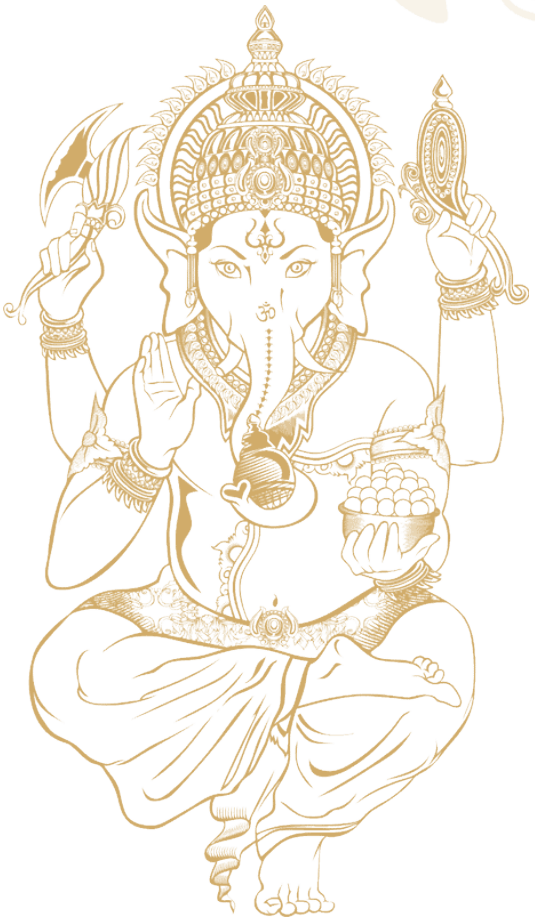

Mr Sharma

13 Dec 2025

01:33 AM

Muzaffarnagar

Model: Baby-Horoscope **Order No: 120821101**

तिथि 13/12/2025 **समय** 01:33:00 **वार** शनिवार **स्थान** Muzaffarnagar **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:15
अक्षांश 29:28:00 उत्तर **रेखांश** 77:42:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:19:12 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	06:40:53 घं
वेलान्तर	00:05:48 घं
सूर्योदय	07:04:35 घं
सूर्यास्त	17:21:29 घं
चैत्रादि संवत	2082
शक संवत	1947
मास	पौष
पक्ष	कृष्ण
तिथि	9
नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-रजत
होरा	शुक्र
चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी

सूर्य 0वर्ष 11मा 23दि

सूर्य	
13/12/2025	
06/12/2026	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
13/12/2025	
शुक्र	06/12/2026

योगिनी

सिद्धा 1वर्ष 1मा 22दि

सिद्धा	
13/12/2025	
04/02/2027	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
00/00/0000	
13/12/2025	
उल्का	04/02/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			14:43:23	कन्या	हस्त	2	चंद्र	गुरु	---	0:00			
सूर्य			26:49:51	वृश्चि	ज्येष्ठा	4	बुध	गुरु	मित्र राशि	0.88	अमात्य	पितृ	वध
चंद्र			07:49:03	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि	1.30	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	03:54:44	धनु	मूल	2	केतु	चंद्र	मित्र राशि	1.19	ज्ञाति	भ्रातृ	मित्र
बुध			06:53:29	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	बुध	सम राशि	1.04	पुत्र	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		29:21:48	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि	1.38	आत्मा	धन	प्रत्यारि
शुक्र		अ	20:51:51	वृश्चि	ज्येष्ठा	2	बुध	शुक्र	सम राशि	1.11	भ्रातृ	कलत्र	वध
शनि			01:07:48	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	सम राशि	1.13	कलत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		18:50:58	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	चंद्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	क्षेम
केतु	व		18:50:58	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

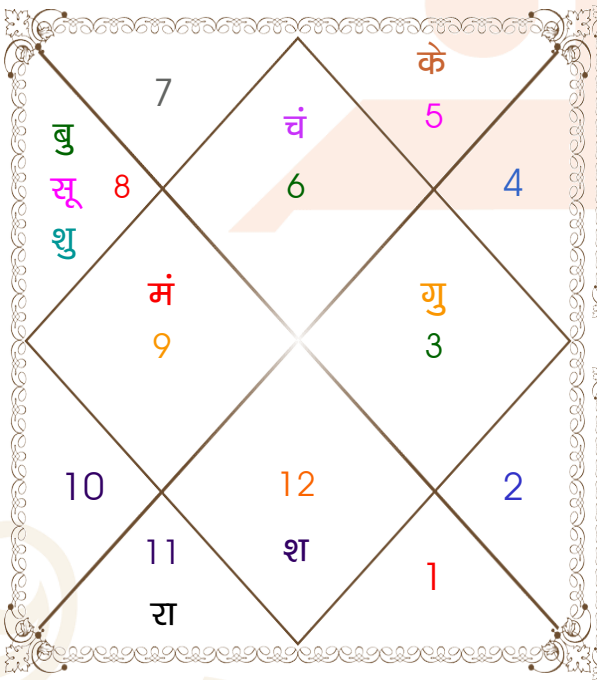

चन्द्र कुंडली

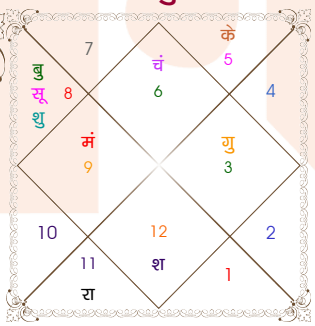

नवमांश कुंडली

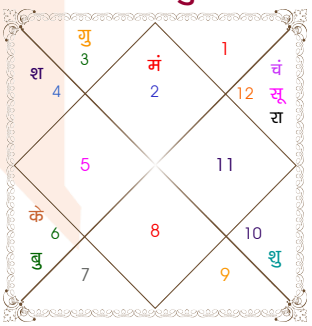

सर्वाष्टकवर्ग

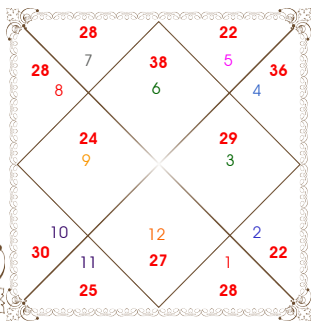

दशमांश कुंडली

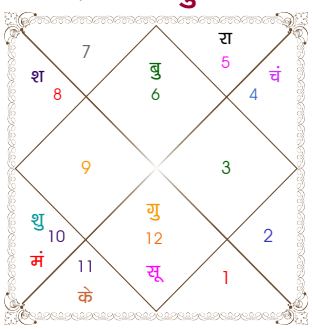

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में उत्पन्न हुए है अतः आपकी जन्म राशि कन्या तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण मनुष्य, नाडी आद्य, वर्ण वैश्य, योनि गो तथा मूषक वर्ग होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म का प्रथमाक्षर "पी" या "पि" से प्रारम्भ होगा। यथा- पीयूष, पीताम्बर।

आपके मन में दया एवं करूणा का भाव स्वभाव से ही विद्यमान रहेगा तथा दानशीलता की प्रवृति भी आपमे विद्यमान रहेगी। आप एक सदाचारी पुरूष होंगे तथा सभी लोग आपके चाल चलन से प्रभावित रहेंगे। आप अपने कोमल स्वभाव तथा अच्छे आचरण के द्वारा समाज मे पूर्ण रूप से सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। साथ ही बुद्धि भी तीव्र होगी। इसी से आप समस्त कार्यो को पूर्ण रूप से सम्पन्न करने में सफल होंगे। आप राज्य या सेना के किसी प्रभाव पद को भी अपनी योग्यता से प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। आपके सभी कार्य धैर्य पूर्वक होंगे तथा सामाजिक जनों से आपके संबंध मित्रतापूर्ण रहेंगे।

दाता दयालु सुतरां सुशीलो विशालकीर्तिर्नृपते प्रधानः।
धीरोऽत्यन्तमृदुर्नरः स्याच्चेदुत्तराफाल्गुनिका प्रसूतौ।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक दानी, दयालु, शीलवान, कीर्तिवान राजमंत्री, स्वभाव से कोमल तथा धैर्यधारण करने वाला होता है।

जीवन में आप विभिन्न प्रकार के भौतिक एवं संसारिक सुखों का उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा समाज से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करेंगे। आप कृतज्ञता के सद्गुण से भी सुशोभित रहेंगे तथा दूसरे के द्वारा अपने ऊपर किए गये उपकार को अवश्य ही मानेंगे। साथ ही आप एक विद्वान के गुणों से भी युक्त रहेंगे।

भोगी चोत्तरफाल्गुनीभजनितो कृतज्ञः सुधीः।।
जातकपरिजातः

अर्थात उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक भोगी सम्माननीय, कृतज्ञ तथा विद्वान होता है।

समाज मे आप सभी वर्गो के मध्य समान रूप से लोक प्रियता प्राप्त करेंगे तथा अपने सुस्वभाव के द्वारा सबके मन मे अपने लिए स्थान बनाएंगे। आप अर्थकरी विद्या के ज्ञाता होगे तथा उसी के द्वारा धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त सब प्रकार के सुखों से युक्त होकर आप अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

सुभगो विद्याप्तधनो भोगी सुखभागद्वितीयफाल्गुन्यां।
बृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सर्वप्रिय, विद्या से धन प्राप्त करने वाला, भोगी तथा सुखी होता है।

आप अत्यन्त ही सहनशील प्रकृति के व्यक्ति रहेंगे तथा दुःखो एवं सुखों का शांत चित से सम्मान करेंगे। दुःख में अनावश्यक दुःखी होना तथा सुख में अनावश्यक सुखी होना आपकी प्रवृति नहीं होगी। साथ ही आप साहसी होंगे तथा वीरता के गुणों से भी सुशोभित रहेंगे। आपके जीवन के सभी कार्य साहसपूर्ण ढंग से सफल होंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय एवं मधुर होगी जो लोगों को अच्छी लगेगी तथा सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। निशाने बाजी की कला मे भी आप अत्यन्त प्रवीण होंगे। आप में एक महानयोद्धा के लक्षण भी दृष्टिगोचर होंगे तथा आपका समाजिक व्यवहार अत्यन्त ही प्रियकर एवं प्रंशसनीय रहेगा।

दान्तः शूरो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदार्थ पण्डितः।
उत्तराफाल्गुनी जातो महायोद्धा जनप्रियः।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सहनशील वीर तथा मधुर बोलने वाला, धनुष बाण विद्या में निपुण, महायोद्धा तथा सर्वसाधारण का प्रिय होता है।

इन्द्रियों पर सर्वप्रकार से नियंत्रण करने में आप पूर्ण रूप से सफल रहेंगे। आपका चित्त हमेशा शांत रहेगा तथा चंचलता का इसमे सर्वथा अभाव रहेगा एवं अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा आप सर्वत्र मान सम्मान अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे।

दान्तः शान्तो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदस्य पारगः।
उत्तराफाल्गुनिजातो महाबुद्धिर्जनः प्रियः।।
जातकदीपिका

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक इन्द्रियों को वश में करने वाला, शान्त स्वभाव से युक्त, मधुर बोलने वाला, धनुर्वेद में पारंगत, महान बुद्धिमान तथा जनता का प्रिय होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ हैं। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता हैं। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनो से भी हीन रहता हैं। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती हैं। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती हैं। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित हैं। अतः आपके लिए यह स्वर्ण पाद विशेष अशुभ नहीं रहेगा। अपितु आपके लिए अधिकांश रूप से शुभ ही रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वरूप देखने में सुन्दर तथा आकर्षक रहेगा। आप उदार स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों के प्रति आपके मन में दयाभाव रहेगा। जीवन में समस्त प्रकार के सुख तथा धन सम्पत्ति से आप सुसम्पन्न रहेंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के ऐश्वर्य तथा

वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शारीरिक बल से आप पूर्ण रूपेण सुसम्पन्न रहेंगे। आप निर्भयता पूर्वक अपना सांसारिक जीवन व्यतीत करेंगे तथा किसी भी प्रकार का भय आपके हृदय में नहीं रहेगा। आप में चतुराई तथा बुद्धिमता का भाव भी रहेगा एवं आपके अधिकांश सांसारिक कार्य इसी तरह से सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त आप विविध प्रकार के सद्गुणों से भी सुशोभित रहेंगे।

कन्या राशि में जन्म लेने के कारण आपके हाथ लम्बे होंगे तथा शरीर के अन्य प्रमुख अंग कान, दान्त तथा नाक भी दर्शनीय रहेंगे। आप एक श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा कई धार्मिक संस्थाओं के संचालक या उच्च पदाधिकारी रहेंगे। आपके मन मे धर्म के प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास का भाव रहेगा। आप अपने भाषण मे मृदु एवं प्रियवाणी का उपयोग करेंगे तथा अन्य लोगों को प्रभावित करने मे समर्थ रहेंगे। आप सत्य का पालन करने के लिए सर्वथा तत्पर रहेंगे तथा शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखेंगे। आप अपने समस्त जीवन के कार्यों को धैर्य पूर्वक सम्पन्न करेंगे। आपके मन मे दूसरों की भलाई के लिए कार्य करने की इच्छा रहेगी तथा परोपकार के कार्यों मे अपना पूर्ण सहयोग अर्पण करेंगे। देखने में आपका सौन्दर्य दर्शनीय तथा आकर्षक रहेगा तथा सुख ऐश्वर्य एवं वैभव का भी आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आपकी कन्या सन्तति अधिक होगी तथा पुत्र सन्तति अल्प रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारुदन्ताक्षिणिकर्णो।
विद्वानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।
सारावली

आप लज्जामयी दृष्टि से युक्त होकर गमन करेंगे तथा भुजाएं एवं स्कंधभाग भी आपके शिथिलता को प्राप्त होंगे। आप अपने जीवन काल में विविध प्रकार के सुख एवं ऐश्वर्य से युक्त होकर उसका उपभोग करेंगे। आपका शरीर कोमल रहेगा तथा विभिन्न प्रकार की कलाओं के प्रति आप की रूचि बनी रहेगी। साथ ही आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी। नाना प्रकार के शास्त्रों के विषय में भी आपको अच्छा ज्ञान रहेगा तथा स्त्रियों के प्रति आपके मन में तीव्राकर्षण रहेगा। साथ ही आप अपने जीवन में किसी अन्य व्यक्ति संबंधी या मित्र के मकान एवं धन का उपयोग करने वाले होंगे तथा उससे भी सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त आप बाहर देश विदेश में भी निवास करने वाले होंगे।

व्रीळामंथरचारुवीक्षणगतिः स्रस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्षणः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्धार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।
बृहज्जातकम्

स्त्रीवर्ग को आप अपनी हास्यमयी कियाओं से आर्कषित करने तथा प्रसन्न रखने मे सफलता प्राप्त करेंगे। स्वभाव से आप सुशील तथा सरल रहेंगे तथा सत्कार्यों को सम्पन्न

करने मे भी विशेषतया कार्यशील रहेंगे। साथ ही आप भाग्यवान पुरूष भी होंगे ।

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।
जातकाभरणम्

आप की बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा किसी को भी धोखा देने की प्रवृति आपके मन मे नहीं रहेगी। लेखन कार्य के प्रति आपकी स्वाभाविक रूचि रहेगी। अतः लेखन मे आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही आपके चित्त में शान्ति रहेगी। लेकिन जीवन मे यदा कदा नेत्र कष्ट से कष्टानुभूति करेगे। गुरूजनों के प्रति आपके मन मे विशेष आदर का भाव रहेगा तथा उनके हित कार्यो में हमेशा तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आप विलासी भी होंगे तथा भौतिक विलासमयी वस्तुओं पर खुले हाथों व्यय करेंगे तथा समस्त सुखसंसाधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। सज्जन लोगों के प्रति आपके मन मे सम्मान का भाव रहेगा तथा ये लोग भी आपसे पूर्णतया प्रसन्न रहेंगे। समाज में सभी लोगों के लिए आपके मन में स्नेह तथा प्रेम का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही संगीत एवं अभिनय के प्रति आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा बडे यत्न से उसमे सफलता प्राप्त करेंगे। अपने जीवन काल में इनसे संबधित सस्थाओ से भी संबधित रहेंगे। आप अपने घर से दूर परदेश में भी निवास कर सकते हैं।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप आजीवन ऐश्वर्य वैभव युक्त जीवन व्यतीत करेंगे तथा सर्वप्रकार के सुखों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आपके मन में विषयवासनाओं संबधी भाव की प्रबलता रहेगी तथा यदा कदा आप इससे व्याकुलता का भी अनुभव करेंगे। समाज मे दूसरे लोगों से आप मधुर संबधों को बनाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही नाना प्रकार की विद्याओं तथा कलाओं के विषय में विस्तृत ज्ञानालोक से आप प्रकाशित रहेंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

मनुष्य गण में जन्म लेने के कारण आप ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति श्रद्धावान होंगे तथा श्रद्धापूर्वक इनका सत्कार तथा पूजार्चन करेंगे। यदा कदा आप में अभिमानी प्रवृति भी व्याप्त होगी तथा समाज में आप इसका प्रदर्शन करेंगे। दीन दुखियों के प्रति आपके मन में हमेशा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा बल का आप में अभाव नहीं रहेगा। आप एक बुद्धिमान पुरूष भी होंगे तथा समस्त कार्यो को बुद्धिमता से पूर्ण करेंगे। शरीर आपका कान्तिमय रहेगा एवं बहुत से लोग आपके द्वारा सुख को प्राप्त करेगे।

आप अपने जीवन काल में धन तथा मान सम्मान से युक्त रहेंगे आपको इनका कभी भी अभाव नहीं रहेगा। आपकी आखें देखने में बड़ी होंगी तथा शरीर भी गौर वर्ण से युक्त रहेगा। आप निशाने बाजी की कला में अत्यन्त चतुर रहेंगे। साथ ही समस्त नगरवासियों पर आप अपना पूर्ण प्रभाव स्थापित करने में सफल रहेंगे और उन्हें पूर्णतया वश में रखेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में उत्पन्न होने के कारण आप स्त्री वर्ग के प्रति अत्यन्त ही आकर्षित रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आप एक उत्साही पुरूष होंगे तथा सदैव उत्साह से सम्पन्न रहकर अपने सांसारिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगी। साथ ही आपकी तार्किक शक्ति अति श्रेष्ठ होगी तथा वाद विवाद में सर्वदा उत्तम रहेंगे।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

अर्थात गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति लग्न में विद्यमान है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य आपके ग्रहों के शुभप्रभाव से अच्छा रहेगा एवं वे लम्बी आयु प्राप्त करेंगी। धन सम्पत्ति की भी उनको प्राप्ति होगी तथा इससे वे प्रायः युक्त ही रहेंगी। आपके प्रति उनका पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में सभी शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्यो में वे आपको यथोचित सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। आपके परस्पर अच्छे संबंध रहेंगे एवं आपसी मतभेदों की अल्पता रहेगी।

आप भी उनके प्रति हार्दिक सम्मान तथा आदर की भावना रखेंगे तथा उनकी आज्ञा

पालन के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। इससे आप लोगों के आपसी विश्वास में वृद्धि होगी जो भविष्य में उन्नति दायक रहेगी। इस प्रकार आप भी जीवन में उनको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य तृतीय भाव में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा यदा कदा ही शारीरिक अस्वस्थता रहेगी। साथ ही उनकी आयु भी उत्तम रहेगी। पिता से आप जीवन में समस्त शुभकार्यों में सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आप में शक्ति, साहस एवं पराक्रम बढाने के लिए वे नित्य यत्नशील रहेंगे। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगे तथा अवसरानुकूल आपको उचित उपदेश तथा निर्देश भी देते रहेंगे।

आप भी उनके प्रति हार्दिक स्नेह एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा प्रायः उनकी आज्ञा का पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी कुछ मतभेदों को छोडकर सामान्य रूप से मधुर ही रहेंगे। उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा जीवन में उनको पूर्ण आर्थिक तथा अन्य रूप से सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे उन्हें कोई दुःख या कष्ट न हो। इस प्रकार आप एक दूसरे के लिए सामान्यतया शुभ ही समझे जाएंगे।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः भाई बहिनों का आपको मध्यम सुख प्राप्त होगा। उनका स्वास्थ्य अच्छा होगा परन्तु यदा कदा शरीर से वे अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा जीवन के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में भी वे आपको आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहायता प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आजीविका एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको उनका सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

आपके हृदय में भी उनके प्रति स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। आप के आपसी संबंध मधुर रहेंगे। परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के उत्पन्न होने पर इसमें कटुता का भी वातावरण बनेगा लेकिन यह अस्थायी रहेगा। साथ ही सुख दुःख एवं समस्त महत्वपूर्ण कार्यों में आप उन्हें अपना आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। इस प्रकार मिलजुल कर आप अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान करके प्रसन्नानुभूति प्राप्त करेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास पंचमी, दशमी, पौर्णमासी तिथियां, श्रवण नक्षत्र शुभयोग, कौलवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा वृश्चिक राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल प्रदान करने वाले होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15, तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ नवगृहनिर्माण तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय समय में स्वास्थ्य के प्रति भी सतर्कता रखने की आवश्यकता है।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट गणेश जी की उपासना करनी चाहिए तथा नियमित रूप से गणेश चतुर्थी, बुधवार के उपवास रखने चाहिए। इसके साथ ही सोना, हरित वस्त्र, मूंग की दाल, इत्यादि

पदार्थो का किसी सुपात्र को दान देना चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी समस्त शारीरिक व्याकुलता दूर होंगी तथा लाभमार्ग भी प्रशस्त होगा एवं शुभ कार्यो में शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं स्त्रीं शीं बुधाय नमः।